CMYK

डाक पंजीयन क्रमांक - म.प्र./भोपाल/357/2021-23 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

हिन्दी/पाक्षिक

प्रकाशन 1 सितम्बर, 2023, डिस्पेच दिनांक 1 सितम्बर, 2023

| वर्ष 67 | अंक 07 | भोपाल | 1 सितम्बर, 2023 | पृष्ठ 12 | एक प्रति 7 रु. | वार्षिक शुल्क 150/- | आजीवन शुल्क 1500/- |

सहकारिता क्षेत्र के विकास ने बदली किसानो की जिंदगी - अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने सहकार किसान सम्मेलन को संबोधित किया

प्रधानमंत्री बनने के बाद से श्री नरेन्द्र मोदी जी देश में कई अभूतपूर्व काम कर रहे हैं, मोदी जी ने देश के किसानों की दशकों पुरानी मांग को पूरा करते हुए देश में अलग सहकारिता मंत्रालय का गठन किया

पिछली सरकार के समय कृषि बजट ₹22000 करोड़ था, जिसे मोदी जी ने 6 गुना बढ़ाकर ₹125000 करोड़ कर दिया

पहले किसानों को 7 लाख करोड़ रूपए का ऋण दिया गया था, जिसे बढ़ाकर मोदी जी ने 20 लाख करोड़ रूपए तक पहुंचा दिया है

मोदी जी ने देशभर के किसानों के बैंक खातों में हर वर्ष डीबीटी के माध्यम से ₹6000 भेजकर एक किसान मित्र का काम किया है

20 से अधिक योजनाओं के माध्यम से मोदी सरकार PACS को मजबूत बना रही है

मोदी सरकार ने गेहूं की खरीदी 251 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 433 लाख मीट्रिक टन की, गेहूं की MSP ₹1400 रुपए से बढ़ाकर ₹2100 और सरसों की MSP ₹3050 से बढ़ाकर ₹5400 करने का काम मोदी सरकार ने किया है

किसानों को अच्छे बीज मिलें, वे अपनी उपज का निर्यात कर सकें और प्राकृतिक खेती करने वाले किसान आगे बढ़ सकें, इसके लिए मोदी जी ने तीन नई कोऑपरेटिव सोसाइटियों की स्थापना की है

प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश के स्पेस मिशन को नई गति और ऊर्जा दी, जिससे आज भारत, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बन गया है, ये पूरे देश के लिए गौरव का विषय है

दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने राजस्थान की गंगापुर सिटी में सहकार किसान सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला और इफ्को के अध्यक्ष श्री दिलीप संघानी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश के किसानों की दशकों पुरानी मांग को पूरा करते हुए देश में अलग सहकारिता मंत्रालय का गठन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद से मोदी जी देश में कई अभूतपूर्व काम कर रहे हैं, जैसे, अलग सहकारिता मंत्रालय का गठन और हाल ही में हमारा चंद्रयान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरा है। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 मिशन की सफलता से पूरे देश में नई ऊर्जा और विश्वास का संचार हुआ है क्योंकि दुनिया का कोई देश आज तक वहां नहीं पहुंच सका था। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के स्पेस मिशन को नई गति और ऊर्जा दी, जिससे आज भारत, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बन गया है और ये पूरे देश के लिए गौरव का विषय है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने देशभर के किसानों के हित के लिए कई योजनाएं चलाई हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी देश के हर किसान को 6000 रूपए दे रहे हैं। इसके अलावा कई सारे कृषि ऋण और फसल बीमा के काम भी किए हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के समय कृषि का बजट 22000 करोड़ रूपए था, जिसे मोदी जी ने 6 गुना बढ़ाकर 125000 करोड़ रूपए कर दिया है। उन्होंने कहा कि

पहले किसानों को 7 लाख करोड़ रूपए का ऋण दिया गया था, जिसे बढ़ाकर मोदी जी ने 20 लाख करोड़ रूपए तक पहुंचा दिया है। श्री शाह ने कहा कि देश में खाद्यान्न उत्पादन 265 मिलियन टन था, जो अब बढ़कर 323 मिलियन टन तक पहुंच गया है। गेहूं की खरीदी 251 लाख मीट्रिक टन थी, जिसे मोदी जी ने बढ़ाकर 433 लाख मीट्रिक टन कर दिया है। इसके साथ ही, गेहूं की एमएसपी 1400 रुपए से बढ़ाकर 2100 रूपए करने का काम नरेन्द्र मोदी सरकार ने किया है। सरसों की एमएसपी 3050 रुपए थी, इसे बढ़ाकर 5400 रुपए करने का काम मोदी सरकार ने किया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि देश में Primary Agriculture Credit Society (PACS) को मजबूत करने के लिए मोदी जी 20 से अधिक योजनाएं लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि आज इफ्को 3500 से ज्यादा सहकारी सोसाइटियों के माध्यम से देश में सहकारिता को मज़बूत बनाने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने तय किया है कि देश में दो लाख नए पैक्स बनाकर हर पंचायत में पैक्स को पहुंचाया जाएगा।

श्री शाह ने कहा कि किसानों को अच्छा बीज मिले, वे अपनी उपज का निर्यात कर सकें और प्राकृतिक खेती करने वाले किसान आगे बढ़ सकें, इसके लिए मोदी जी ने तीन नई कोऑपरेटिव सोसाइटियों की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने देशभर के किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से 6000 रूपए भेजकर एक किसान मित्र का काम किया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 77वें स्वतंत्रता दिवस पर कहा देश की सामाजिक अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा कोऑपरेटिव्स हैं

सहकारिता को बल देने, आधुनिक बनाने और देश के कोने-कोने में लोकतंत्र की सबसे बड़ी इकाई को मज़बूत करने के लिए अलग सहकारिता मंत्रालय बनाया गया है

सहकारिता मंत्रालय देश में सहकारी संस्थाओं का जाल बिछा रहा है, जिससे गरीब से गरीब व्यक्ति की सुनवाई हो, उसकी आवश्यकताओं की पूर्ति हो और वो राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे सके

दिल्ली । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 77 वें स्वतंत्रता दिवस पर नई दिल्ली में लाल क़िले की प्राचीर से अपने संबोधन में कहा कि देश की सामाजिक अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा कोऑपरेटिव्स हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता को बल देने, आधुनिक बनाने और देश के कोने-कोने में लोकतंत्र की सबसे बड़ी इकाई को मज़बूत करने के लिए अलग सहकारिता मंत्रालय बनाया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय देश में सहकारी संस्थाओं का जाल बिछा रहा है, जिससे गरीब से गरीब व्यक्ति की सुनवाई हो, उसकी आवश्यकताओं की पूर्ति हो और वो

राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने सहकार से समृद्धि का रास्ता अपनाया है।

CMYK

खेती-किसानी को उन्नत बनाने के उपायों की तलाश के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला

भोपाल : मध्यप्रदेश सरकार राज्य में खेती-किसानी को उन्नत बनाने के लिये सतत प्रयास कर रही है। इसी क्रम में 22 से 24 अगस्त को किसान-कल्याण एवं कृषि विभाग द्वारा डब्ल्यू.आर.आई. इण्डिया और फूड एण्ड लेण्ड यूज कोलिएशन (फोलू) इण्डिया के सहयोग से कार्यशाला की गई। कार्यशाला में कृषि को उन्नत बनाने के सर्वश्रेष्ठ उपायों की तलाश की गई। आयुक्त कृषि श्री एम. सेलवेन्द्रन, एमडी मण्डी बोर्ड श्री श्रीमन शुक्ला, डब्ल्यू.आर.आई इण्डिया की निदेशक डॉ. रुचिका सिंह, फोलू इण्डिया के कंट्री को-ऑर्डिनेटर डॉ. जयहरि के.एम., विभिन्न संगठनों के सदस्य और कृषि विभाग के 150 से अधिक अधिकारी शामिल हुए।

आयुक्त कृषि श्री सेलवेन्द्रन ने कहा कि पूरे देश में सतत और उन्नत कृषि पद्धतियों के सफल मॉडल्स का परीक्षण करना और विशेष रूप से मध्यप्रदेश के लिये सर्वाधिक उपयुक्त पद्धतियों की पहचान करना कार्यशाला का उद्देश्य है। इन मॉडल्स में कृषि मूल्य श्रृंखला से जुड़े विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है। कार्यशाला में प्रदेश सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिये किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि सरकार प्राकृतिक खेती के रकबे को बढ़ाने के लिये किसानों को देशी गाय के पालन के लिये 900 रूपये अनुदान दे रही है। कार्यशाला में सिविल सोसायटी संगठनों, खाद्य एवं कृषि से जुड़े निजी संगठनों के साथ-साथ फोलू इण्डिया को प्रमुख साझेदारों के रूप में शामिल किया गया है।

एमडी मण्डी बोर्ड श्री शुक्ला ने कहा कि विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की सहभागिता से कृषि को उन्नत बनाने में सहायता मिलेगी। संगठनों ने भी अपने प्रेजेंटेशन दिए।

देश में इस समय 150 लाख मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध

नई दिल्ली: केंद्रीय रसायन और उर्वरक, डॉ. मनसुख मांडविया ने देश में उर्वरकों के इस्तेमाल व उनकी उपलब्धता पर राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ बातचीत की। बैठक के दौरान, उन्होंने नैनो-यूरिया, नैनो-डीएपी और वैकल्पिक उर्वरकों को मैदानी स्तर पर प्रोत्साहन देने की प्रगति तथा इस सिलसिले में राज्यों द्वारा की गई पहलों का जायजा लिया।

बातचीत की शुरूआत में ही डॉ. मांडविया ने सभी राज्यों को सूचित कर दिया था कि देश में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है और इस समय 150 लाख मीट्रिक टन उर्वरक मौजूद है। यह भंडारण न सिर्फ मौजूदा खरीफ मौसम में काम आयेगा, बल्कि आने वाले रबी के मौसम में भी उसकी उपलब्धता सुनिश्चित रहेगी।

मांडविया ने मिट्टी की उर्वरकता बचाने के लिये रासायनिक उर्वरकों के ज्यादा इस्तेमाल से बचने की जरूरत को उजागर किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पीएम प्रणाम योजना के रूप में इस दिशा में पहले ही कदम उठा लिये हैं। इन प्रयासों में धीरे-धीरे घुलने वाली सल्फर कोटेड यूरिया (यूरिया गोल्ड), नैनो-यूरिया, नैनो-डीएपी आदि के इस्तेमाल को भी शुरू किया जाना शामिल है।

देशभर में पीएमकेएसके पहल पर चर्चा की गई, जो किसानों की सभी जरूरतों को एक ही स्थान पर पूरा करने के लिये 'वन-स्टॉप-शॉप' के रूप में काम करेगी। उन्होंने राज्यों के कृषि मंत्रियों और राज्य सरकारों से कहा कि वे नियमित रूप से इन पीएमकेएसके का दौरा करें तथा किसानों को जागरूक करें।

यूरिया के गैर-कृषि कामों में इस्तेमाल पर सख़्त कार्यवाही

डॉ. मांडविया ने राज्यों को कहा कि खेती के लिये उपयोगी यूरिया गैर-कृषि कामों में इस्तेमाल न होने दें। राज्य इस सिलसिले में जागरूकता अभियान चलायें, ताकि कृषि यूरिया को अन्यत्र स्थानांतरित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाये। याद रहे कि इस मामले में केंद्र सरकार के उर्वरक उड़न दस्ते और विभिन्न कृषि विभागों, राज्य सरकारों ने संयुक्त निरीक्षण किया था, तथा गड़बड़ी करने वाली यूरिया संयंत्रों के खिलाफ 45 एफआईआर की गई थीं। इसके अलावा, 32 मिक्सचर संयंत्रों के लाइसेंस रद्द किये गये और 79 मिक्सचर संयंत्रों से उर्वरक के सारे अधिकार छीन लिये गये। इन सबके खिलाफ चोर बाजारी निवारण और आवश्यक वस्तु प्रदाय अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की गई। राज्य सरकारों ने भी ऐसी अपराधियों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाने की वकालत की।

बैठक में विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्रियों, राज्य सरकारों के अफसरों और उर्वरक विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

पैक्स कम्प्यूटराईजेशन पर दो दिवसीय कार्यशाला

भोपाल। केन्द्र प्रायोजित पैक्स कम्प्यूटराईजेशन योजना के सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए अपेक्स बैंक-अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कालेज के संयुक्त तत्वावधान में नाबार्ड के सहयोग से अपेक्स बैंक के सुभाष यादव समन्वय भवन के आडिटोरियम में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक्स के मास्टर ट्रेनर, नाबार्ड के डीडीएम, प्राथमिक सहकारी साख समितियों के कर्मचारियों, सिस्टम इंटीग्रेटर के प्रतिनिधियों के लिए पैक्स कम्प्यूटराईजेशन योजनान्तर्गत प्राप्त होने वाले साफ्टवेयर को लाईव करने के लिए आवश्यक डाटा टूल (डीसीपी) एवं अन्य गतिविधियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें दिनांक 22 अगस्त को 26 जिलों एवं 23 अगस्त को शेष 26 जिलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री पी.एस.तिवारी ने कहा कि सभी प्रतिभागी इस दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में किसी भी प्रकार के तकनीकी सवाल एवं शंका पर जरुर विचार-विमर्श करें, ताकि प्रशिक्षण एजेंसी के व्यावसायिक रुप से दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा उनका निराकरण कर विस्तृत ज्ञान प्रदान किया जा सके। नाबार्ड के महाप्रबंधक श्री कमर जावेद ने कहा कि आप लोगों ने विस्तृत गाइडलाइन का अध्ययन कर लिया होगा। हमारा इस कार्यशाला को मैनुअल करने का मुख्य उद्देश्य ही यह है कि पहले आप सभी लोग एक-दूसरे से परिचित हो जायें, ताकि आगे काम करना आसान हो जाए। कार्यशाला का संचालन अरविंद बौद्ध ने किया। इस अवसर पर विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारीद्वय श्रीमती कीर्ति सक्सेना, श्री संजय मोहन भटनागर, उप महाप्रबंधक उश्री आर.एस.चंदेल, सहायक महाप्रबंधक श्री के.टी.सज्जन, श्री अक्षय जैन, प्रबंध संचालक, अतिशय लिमिटेड, प्रदेश के सिस्टम इंटीग्रेटर, नाबार्ड, सहकारिता विभाग व बैंक के वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

दवाओं को किफायती दाम पर उपलब्ध कराने के लिए सरकार 25000 जन औषधि केंद्र खोलेगी

"जन औषधि केंद्रों ने 20,000 करोड़ रुपये की बचत करके देश के मध्यम वर्ग को नई शक्ति प्रदान की है।"

"जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 25,000 केंद्र करने का लक्ष्य है"

दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में कहा कि सरकार की 'जन औषधि केंद्रों' की संख्या 10,000 से बढ़ाकर 25,000 करने की योजना है।

उन्होंने कहा कि जन औषधि केंद्रों ने लोगों, विशेषकर मध्यम वर्ग को नई शक्ति प्रदान की है। यदि किसी को मधुमेह है, तो मासिक बिल 3000 रु. जमा हो जाते हैं।

उन्होंने कहा, "जन औषधि केंद्रों के माध्यम से हम 100 रुपये कीमत वाली दवाओं को 10 से 15 रुपये में दे रहे हैं।"

सरकार अगले महीने पारंपरिक कौशल वाले लोगों के लिए 13,000 से 15,000 करोड़ रुपये की राशि के आवंटन के साथ विश्वकर्मा योजना शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार 'जन औषधि केंद्र' (दवा की रियायती दुकानों) की संख्या 10,000 से बढ़ाकर 25,000 करने की दिशा में काम कर रही है।

पांढुर्णा प्रदेश का 55वां जिला बनेगा- मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल : मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि पांढुर्णा प्रदेश का 55वां जिला बनेगा। नवीन जिले में पांढुर्णा, सौंसर तहसील और नांदनवाड़ी उप तहसील को मिलाया जाएगा।

अपेक्स बैंक का 59 वां वार्षिक साधारण सभा संपन्न

श्री आलोक कुमार सिंह, प्रशासक, अपेक्स बैंक ने साधारण सभा में सहकारिता के विकास हेतु दिये दिशा-निर्देश

अपेक्स बैंक ने वित्तीय वर्ष 31 मार्च 2023 पर रुपये 128.00 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया - पी.एस.तिवारी, प्रबंध संचालक, अपेक्स बैंक

भोपाल। दिनांक 25 अगस्त 2023 - अपेक्स बैंक टी0टी0नगर स्थित मुख्यालय के सुभाष यादव समन्वय भवन में बैंक के 59 वें सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा के आरंभ में बैंक के प्रबंध संचालक श्री पी.एस.तिवारी ने बैंक का लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए संचालक मंडल के सम्माननीय सदस्यगण को बताया कि बैंक ने 31 मार्च 2023 पर रुपये 128.00 का शुद्ध लाभ अर्जित किया है तथा बैंक का शुद्ध एनपीए कम होकर 1.17 प्रतिशत रह गया है। इस प्रकार बैंक सतत् रूप से प्रगति पथ पर अग्रसर है।

बैंक के प्रशासक श्री आलोक कुमार सिंह द्वारा बैंक के रुपये 128.00 करोड़ का लाभ अर्जित करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आगामी वित्तीय वर्ष में बैंक के अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रदेश के सहकारिता आंदोलन के विकास में सहयोग प्रदान करने हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश दिये।

इस अवसर पर विशेष रुप से उपस्थित प्रमुख सचिव सहकारिता श्री उमाकांत उमराव ने कहा कि वित्तीय अध्ययन कर सहकारी बैंकों के विकास की योजनाबद्ध तैयारी करें। नाबार्ड के महाप्रबंधक श्री कमर जावेद ने अमानत संग्रहण हेतु नीति निर्धारित करने का सुझाव दिया। बैठक के अन्त में प्रबंध संचालक श्री तिवारी ने मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी, सहकारिता मंत्री जी, रिजर्व बैंक, नाबार्ड, सहकारिता एवं वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ अन्य सहकारी संस्थाओं के प्रति प्रत्यक्ष व परोक्ष रुप से सहयोग प्रदान करने पर आभार व्यक्त किया। उक्त अवसर पर प्रमुख सचिव सहकारिता श्री उमाकांत उमराव, अपेक्स बैंक के प्रशासक आयुक्त सहकारिता श्री आलोक कुमार सिंह ,बैंक के प्रबंध संचालक श्री श्री पी.एस. तिवारी नाबार्ड के महाप्रबंधक श्री कमर जावेद, विशेष कर्तव्य अधिकारी श्री अरुण मिश्रा, श्रीमती कृति सक्सेना ,श्री संजय मोहन भटनागर, राज्य सहकारी संघ के प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन, वनोपज संघ के सचिव श्री के. के .द्विवेदी ,उप महाप्रबंधक श्री आर.एस. चंदेल ,ओएसडी श्री अरविंद बौद्ध ,सहायक महाप्रबंधक श्री के.टी. सज्जन, प्रबंधक श्री अरविंद वर्मा ,श्री विवेक मलिक, श्री करुण यादव, श्री समीर सक्सेना ,श्री आर.वी.एम . पिल्लई, श्री आशीष राजोरा ,सहित बैंक के प्रतिनिधि एवं सहकारिता विभाग एवं अपेक्स बैंक के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित हुए।

"बिन सहकार नहीं उद्धार" के मूल मंत्र पर कार्य कर रहा राज्य सहकारी संघ
सहकारिता का स्वर्णिम दौर शुरू - प्रशिक्षक एच. के. राय

सूरजपुरा/छतरपुर। सहकारी प्रशिक्षण केंद्र नौगांव द्वारा ग्राम सूरजपुर में दिनांक 23 अगस्त 2023 को सहकारिता कैंप लगाया गया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रोजगार सहायक भुवानीदीन ने मां सरस्वती को माल्यार्पण कर कार्यक्रम प्रारंभ किया, वनोपज समिति प्रबंधक श्री कमलेश कुमार प्रजापति ने समस्त अतिथियों एवं सदस्यों को तिलक लगाकर स्वागत वंदन एवं उत्साहवर्धन किया।

सहकारी प्रशिक्षण केंद्र नौगांव से आए हुए जिला सहकारी प्रशिक्षक श्री हृदेश कुमार राय ने समिति के सदस्यों को निम्न बिंदुओं पर जानकारी साझा की-

सहकारिता की शुरुआत

- भारत में पहला सहकारी अधिनियम समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के बाद वर्ष 1903 में पारित हुआ।

- इसके बाद वर्ष 1904 में पहला सहकारी रेड समिति अधिनियम (कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटीज एक्ट) पारित किया गया।

- 1904 में अंग्रेजों ने भारत में सहकारी समितियां को परिभाषित किया, कानून के बाद इस क्षेत्र में कई पंजीकृत संगठन काम करने आए।

- 1904 में ही भारत में ब्रिटिश सरकार ने महाराष्ट्र में गरीब किसानों के हितों की रक्षा के लिए सहकारी समिति अधिनियम लागू किया स्वतंत्रता के पश्चात भारत में सहकारिता आंदोलन को गति मिली।

सहकारिता का अर्थ

आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संस्थाबद्ध लोग जो साथ-साथ कारोबार चलाकर समाज की आर्थिक सेवा और संस्था के सभी सदस्यों को आर्थिक लाभ करते हैं इसे ही सहकारिता या सहकारी समिति कहा गया है इस प्रकार के व्यवसाय में लगने वाली पूंजी संस्था के सभी सदस्यों के आर्थिक योगदान से जुटाई जाती है।

समिति के उद्देश्य

सहकारी आंदोलन का मुख्य उद्देश्य कृषकों ग्रामीण कारीगरों भूमिहीन मजदूरों एवं समुदाय के कमजोर और पिछड़े वर्ग कम आय वर्ग बेरोजगार को रोजगार क्रेडिट और उपयुक्त तकनीकी प्रदान कर अच्छा उत्पादक बनाना है।

सहकारिता से लाभ

यह एक स्वैच्छिक संगठन है जो पूंजीवादी और समाजवादी दोनों प्रकार के आर्थिक तंत्रो में पाया जाता है।

इसका प्रबंधन लोकतांत्रिक होता है तथा एक व्यक्ति एक मत की संकल्पना

पर आधारित है।

- शिक्षा प्रशिक्षण और सूचना
- सहकारी समितियां के बीच सहयोग
- समुदायों के लिए चिंता

सहकारिता के सात सिद्धांत

1- स्वैच्छिक और खुली सदस्यता
2- प्रजातांत्रिक सदस्य नियंत्रण
3- सदस्यों की आर्थिक भागीदारी
4- स्वायत्तता और स्वतंत्रता
5- शिक्षा प्रशिक्षण और सूचना
6- सहकारी समितियां के बीच सहयोग
7 - समुदायों के लिए चिंता।

कार्यक्रम को विस्तार से बताएं साथ ही समिति के सदस्यों अधिकार, उनके कर्तव्य एवं मीटिंग करना और संचालक मंडल के उत्तर दायित्वों को उनकी क्षेत्रीय भाषाओं में समझाया, और सदस्यों को आम सभा की बैठक करने नियम कायदे बताएं।

34 प्रकार के नए क्षेत्रों में सदस्य करें समितियां का गठन

ग्रामीणजन शासन के मनसा अनुरूप 34 प्रकार के अलग-अलग क्षेत्र में समिति का गठन कर अपना रोजगार स्थापित कर सकते हैं जैसे श्रमिक सेवा प्रदाता सहकारी समिति, औषधि विक्रय तथा चिकित्सा सेवाएं सहकारी समिति, जैविक कृषि/उद्यानकी/पुष्प फल साग सब्जी समिति, पर्यटन सहकारी समिति, सुरक्षा सहकारी समिति, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एवं सूचना प्रौद्योगिकी सहकारी समिति, ग्रामीण परिवहन सहकारी समिति सहित अलग-अलग क्षेत्र में समिति गठन कर नया कार्य प्रारंभ कर सकते हैं यह जानकारी जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक श्री हृदेश कुमार ने प्रशिक्षण के दौरान सूरजपुरा समिति के ग्रामीण जनों से कहीं।

प्राथमिक वनोंपज सहकारी समिति गढ़ी मलहरा में सहकारी प्रशिक्षण सम्पन्न

छतरपुर। प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति मर्यादित गढ़ीमलहरा विकास खण्ड छतरपुर में दिनांक 23.08.2023 को सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र नौगांव जिला छतरपुर के द्वारा एक दिवसीय सहकारी प्रशिक्षण वर्ग शिविर आयोजित किया गया जिसमें सहकारिता का अर्थ समिति के उद्देश्य सदस्यों के अधिकार सहित विभिन्न सहकारिता क्षेत्र में जानकारी दी गई जिसमें समिति प्रबंधक श्री प्रशान्त चौरसिया फड़ मुंशी श्री प्रेमचंद कुशवाहा जनपद सदस्य श्रीमती राजाबाई अहिरवार वनोपज सदस्य श्री कड़ोरी कुशवाहा श्री मोतीलाल कोंदर महिला सदस्य श्रीमती रामकली कोंदर श्रीमती लीला बाई कोंदर इत्यादि वनोपज सदस्य आवश्यक रूप से बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। शिविर का संचालन बाबूलाल कुशवाहा जिला सहकारी प्रशिक्षक सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र नौगांव जिला छतरपुर म प्र के द्वारा किया गया।

वनोंपज सहकारी समिति बड़ागांव में आयोजित किया गया सहकारी प्रशिक्षण

बड़ागांव/छतरपुर। सहकारी प्रशिक्षण केंद्र नौगांव द्वारा दिनांक 17 अगस्त 2023 को एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन बड़ागांव जिला छतरपुर में किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती पूजन कर किया गया। सहकारी प्रशिक्षण केंद्र नौगांव के जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक श्री हृदेश कुमार राय ने समिति के सदस्यों को शिविर के माध्यम से सहकारिता से रूबरू कराया और बताया कि ग्रामीण इलाकों में पशुपालन को बढ़ावा दें एवं पशुओं से होने वाले लाभ जैसे दूध उत्पादन एवं गोबर से खाद आदि के लाभों , जंगली इलाकों में मधुमक्खी पालन एवं कृषि कार्य करने हेतु एवं वनों से होने वाले लाभों बताया। साथ ही सदस्यों को सहकारिता नीति पर चलने की अपील की कहा सभी एक साथ मिलकर कार्य की योजना बनाएं एवं उस कार्य को अमल में भी लाए। इस मौके पर समिति प्रबंधक श्री नंदूलाल खंगार, समिति के अध्यक्ष श्री कदोरा चढ़ार सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला सहकारी शिक्षण प्रशिक्षक हृदेश कुमार राय सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र नौगांव ने किया।

सहकारी प्रशिक्षण केंद्र नौगांव द्वारा ग्राम टिकरी में किया गया प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

टिकरी/छतरपुर। सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र नौगांव जिला छतरपुर म प्र के द्वारा दिनांक 10.08.2023 को प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति मर्यादित ग्राम टिकुरी विकास खण्ड राजनगर जिला छतरपुर एक दिवसीय सहकारी प्रशिक्षण वर्ग शिविर आयोजित किया गया। शिविर मे सहकारिता का अर्थ, समिति के उद्देश्य, सदस्यों के अधिकार सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया जिसमें समिति प्रबंधक श्री बेनी प्रसाद अहिरवार जिला वनोपज यूनियन अध्यक्ष श्री भरत प्रसाद राय फड़ मुंशी श्री नाथूराम रैकवार सदस्य श्री हरजू कुशवाहा, श्री हेमू कुशवाहा, श्री कूड़ा कुशवाहा, महिला सदस्य श्रीमती गनेशी बाई कुशवाहा ,श्रीमती राधा कुशवाहा श्रीमती प्यारी बाई रैकवार इत्यादि वनोपज सदस्य उपस्थित रहे। शिविर का संचालन बाबूलाल कुशवाहा , जिला सहकारी प्रशिक्षक सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र नौगांव जिला छतरपुर द्वारा किया गया किया।

मछुआ सहकारी समिति मे प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

जबलपुर, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर द्वारा मछुआ सहकारी समिति मर्यादित चरगवां रीठी जिला कटनी में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रशिक्षक पीयूष राय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष श्री मो. इस्सरार, उपाध्यक्ष श्री गनेश, सदस्यो मे रवि, मुकेश, संतोष तथा समिति के अन्य सदस्यो ने प्रशिक्षण मे भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षक पीयूष राय ने प्रशिक्षार्थियो को सहकारी समिति मे सदस्यो की योग्यताएँ, अयोग्यताओ के संबंध एवं मछली पालन कार्य से संबन्धित आवश्यक जानकारी से अवगत कराया। कार्यक्रम के अन्त मे श्री गनेश जी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

मछुआ सहकारी समिति बीजासेन मे प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

जबलपुर, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मछुआ सहकारी समिति बीजासेन जिला सिवनी मे किया गया जिसमे केन्द्र के प्रशिक्षक जय कुमार दुबे द्वारा समिति के उपस्थित सदस्यो को समितियो मे होने बाली बैठको, आम सभा की बैठको के बारे मे प्रशिक्षण दिया साथ-साथ सभी सदस्य मछली पालन , पशुपालन और नये-नये व्यवसाय की ओर अपना आर्कषण बढाये ताकि सदस्यो की मासिक आय को बढाया जा सके। अध्यक्ष श्री धुट्टू बर्मन उपाध्यक्ष श्री सुरेश झारिया, मनोहर लाल, गुलाब, चुरामन, सुभाष, गणेश के साथ अनेको सदस्य उपस्थित रहे। समिति के अध्यक्ष श्री बर्मन ने अपना अनुभव साझा करते हुए आभार व्यक्त किया।

सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

जबलपुर। सहकारी प्रशिक्षण केंद्र जबलपुर द्वारा वृहताकार कृषि साख सहकारी समिति मर्या. रीठी जिला कटनी में एक दिवसीय वर्ग का आयोजन प्रशिक्षक पीयूष राय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समिति प्रबंधक श्री विजय राय, सहायक प्रबंधक श्री हीरालाल पटेल एवं समिति के अन्य सदस्यो ने प्रशिक्षण मे भाग लिया। जिला सहकारी प्रशिक्षक श्री पीयूष राय ने प्रशिक्षार्थियो को समिति में सदस्यो की योग्यता, अयोग्यताओ एवं नवीन समिति के गठन के संबंध मे जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में समिति के सदस्यों ने उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्त मे श्री हीरालाल पटेल जी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

आदिम जाति सहकारी समिति मर्या. बकलेहटा में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

जबलपुर, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर द्वारा आदिम जाति सहकारी समिति मर्या. बकलेहटा जिला कटनी में एक दिवसीय वर्ग का आयोजन प्रशिक्षक पीयूष राय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समिति प्रबंधक श्री लल्लू पटेल एवं समिति के अन्य सदस्यो ने प्रशिक्षण मे भाग लिया। जिला सहकारी प्रशिक्षक श्री पीयूष राय ने प्रशिक्षार्थियो को सहकारिता के उद्देश्य, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लाभ के संबंध मे चर्चा की। कार्यक्रम के अन्त मे श्री लल्लू पटेल जी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

मछुआ सहकारी समिति कुदवारी मे प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

जबलपुर, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर द्वारा माँ मछुआ सहकारी समिति मर्यादित कुदवारी जिला सिवनी में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रशिक्षक जय कुमार दुबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुएँ श्रीमति सुनैना बर्मन ने सभी सदस्यो को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम को आरंम्भ किया। सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर के प्रशिक्षक जय कुमार दुबे ने सदस्यो को समितियो से जुड़ी हुई अनेको जानकारीया दी जैसे सहकारिता का महत्व, सदस्यो की योग्यताएँ व अयोग्यताएं एंव नवीन क्षेत्रो मे सहकारिता का गठन आदि विषयो मे चर्चा की। कार्यक्रम मे ग्राम पंचायत सरंपच श्री संतोष मर्रापा एंव सचिव श्री संतोष तिवारी जी उपस्थित हुए। सचिव श्री तिवारी जी ने कहा कि समिति को सुचारू रूप से चलाने के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण का आयोजन होना अवश्यक है। अंत मे सरंपच श्री सतोष मर्रापा ने आभार व्यक्त करते हुए युवा पीढ़ी को समिति मे सदस्य बनने के लिए प्रेरित किया।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित छिंदवाड़ा (म0प्र0)

दूसरी तालिका बैंकिंग एग्लेशन एक्ट 1949 धारा 29 के अन्तर्गत प्रारूप ''स''

31.03.2023

31.03.2022 (राशि रू.)	विवरण पूंजी एवं दायित्व	राशि रू.	31.03.2023 (राशि रू.)
500,000,000.00	**1. अंश पूंजी अधिकृत**	**500,000,000.00**	
	''अ'' श्रेणी के अंशों में रूपये 1000.00 प्रति अंश		
	''ब'' श्रेणी के अंशों में रूपयें 100.00 प्रति अंश		
	''स'' श्रेणी के अंशों में रूपये 50.00 प्रति अंश		
	''द'' श्रेणी के अंशों में रूपये 10.00 प्रति अंश		
	''इ'' श्रेणी के अंशों में रूपये 5.00 प्रति अंश		
	''फ'' श्रेणी के अंशों में रूपये 1.00 प्रति अंश		
539,895,703.00	**''अ'' प्रदत्त अंशपूजी**	**588,499,703.00**	**588,499,703.00**
102,399,990.00	''अ'' श्रेणी के अंशों में रूपये 1000.00 प्रति अंश	102,399,990.00	
437,451,670.00	''ब'' श्रेणी के अंशों में रूपये 100.00 प्रति अंश	486,055,670.00	
	''स'' श्रेणी के अंशों में रूपये 50.00 प्रति अंश		
44,043.00	''द'' श्रेणी के अंशों में रूपये 10.00 प्रति अंश	44,043.00	
	''इ'' श्रेणी के अंशों में रूपये 5.00 प्रति अंश		
	''फ'' श्रेणी के अंशों में रूपये 1.00 प्रति अंश		
539,895,703.00	**ब अभिदत्त अंशपूंजी**	**588,499,703.00**	**588,499,703.00**
102,399,990.00	''अ'' श्रेणी के अंशों में रूपये 1000.00 प्रति अंश	102,399,990.00	
437,451,670.00	''ब'' श्रेणी के अंशों में रूपये 100.00 प्रति अंश	486,055,670.00	
	''स'' श्रेणी के अंशों में रूपये 50.00 प्रति अंश	-	
44,043.00	''द'' श्रेणी के अंशों में रूपये 10.00 प्रति अंश	44,043.00	
	''इ'' श्रेणी के अंशों में रूपये 5.00 प्रति अंश		
	''फ'' श्रेणी के अंशों में रूपये 1.00 प्रति अंश		
539,895,703.00	**स उक्त में से धारित अंशपूजी**	**588,499,703.00**	**588,499,703.00**
437,451,670.00	''अ'' सहकारी संस्थाओं द्वारा	486,055,670.00	
102,399,990.00	''ब'' राज्य शासन द्वारा	102,399,990.00	
-	''स'' एकीकृत सहकारी विकास परियोजना	-	
44,043.00	''द'' नाम मात्र	44,043.00	
458,493,681.38	**2. रक्षित कोष एवं अन्य निधियां**	**462,940,420.38**	**462,940,420.38**
61,841,249.25	अ) वैधानिक कोष	62,690,342.25	
20,731,669.25	ब) भवन निधि	20,784,370.25	
51,713,050.00	स) कृषि साख स्थायीकरण निधि	54,032,463.00	
311,147.00	द) लाभांश समानीकरण निधि	311,147.00	
2,684,713.17	इ) विशिष्ट संदिग्ध एवं डूबंत निधि	2,684,713.17	
2,063,884.30	फ) संदिग्ध एवं डूबंत ऋणार्थ निधि	2,063,884.30	
6,803.00	ज) विनियोग अवक्षयण निधि	6,803.00	
11,626,051.00	ह) पुनः पूंजीकरण खाता (वैधनाथन)	11,626,051.00	
	अन्य निधियां		

31.03.2022 (राशि रू.)	विवरण सम्पत्तियां लेनदारी	राशि रू.	31.03.2023 (राशि रू.)
235,247,497.29	1. रोकड	348,480,670.85	348,480,670.85
916,297,672.64	**2. बैंक बैलेन्स**	**1,139,563,312.97**	**1,139,563,312.97**
87,222,850.15	1. भारतीय स्टेट बैंक छिन्दवाड़ा	(2,100,601.95)	
23,419.02	2. भारतीय स्टेट बैंक दिल्ली	23,419.02	
2,341,808.75	3. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	341,737.95	
304,310,786.39	4. सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया	334,801,096.81	
77,196.77	5. महाराष्ट्रा को–आपरेटिव बैंक मुम्बई	73,252.23	
174,907.48	6. महाराष्ट्रा को–आपरेटिव बैंक नागपुर	167,627.48	
2,523.96	7. बेस्ट बेंगोल को–आपरेटिव बैंक कलकत्ता	2,523.96	
118,740,302.66	8. आई.सी.आई.सी.आई. बैंक छिन्दवाड़ा	231,527,848.02	
115,888,734.20	9. आई.डी.बी.आई. बैंक छिन्दवाड़ा	5,247,681.17	
4,673,815.13	10. ऐक्सेस बैंक छिन्दवाड़ा	2,084,328.45	
-5,017,562.91	11. म.प्र. राज्य सहकारी बैंक मर्या. जबलपुर	90,770,822.75	
-15,086,105.49	12. म.प्र. राज्य सहकारी बैंक मर्या. भोपाल (एम.ए.एस.)	(13,587,550.59)	
-	13. म.प्र. राज्य सहकारी बैंक मर्या. भोपाल	-	
682,466.35	14. बैंक ऑफ महाराष्ट्रा	6,148,128.35	
20,000,000.00	15. एच.डी.एफ.सी.बैंक छिन्दवाड़ा	9,299,958.70	
195,136,023.37	16. सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया (आर.टी.जी.एस.)	438,287,716.84	
1,000,000.00	17. आई.सी.आई.सी.आई. बैक छि. (आई एम पी एस)	1,000,000.00	
86,078,028.81	18. आई.सी.आई.सी.आई.बैक छि. (ए टी एम)	34,133,010.78	
48,478.00	19. इंडसइंड बैंक	1,342,313.00	
814,928,532.39	**3. अन्य बैंकों में**	540,383,431.39	540,383,431.39
701,680,189.00	1. मृददति अमानत शीर्ष बैंक	466,935,088.00	
-	2. रक्षित निधि शीर्ष बैंक	-	
11,168,923.00	3. मुददति अमानत भारतीय स्टेट बैंक छिन्दवाड़ा	11,168,923.00	
-	4. मुददति अमानत आईडीबीआई बैंक	-	
102,079,420.39	5. मुददति अमानत अन्य बैंक	62,279,420.39	
-	**4. बैंको में मॉग और अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि**	500,000,000.00	500,000,000.00
2,091,544,700.00	**5. विनियोग**	**1,872,212,500.00**	**1,872,212,500.00**
	''अ'' केन्द्रीय/राज्य शासन की प्रतिभूतियॉं		
1,890,034,700.00	1. पुस्तक मूल्य	1,641,002,500.00	
-	2. बाजार मूल्य	-	
-	3. आयुक्त कीमत	-	
	''ब'' अन्य प्रतिभूतियों में		
-	''स'' अन्य सहकारी संस्थाओं	-	
	उक्त पद पांच के अतिरिक्त		

31.03.2022 (राशि रू.)	विवरण पूँजी एवं दायित्व	राशि रू.	31.03.2023 (राशि रू.)
65,000.00	1. भंडार कोष	65,000.00	
3,630.00	2. चिकित्सा सहायता कोष	3,630.00	
3,585,363.57	3. जीप कोष	3,826,959.57	
2,850.00	4. अंश प्राप्ति कोष	2,850.00	
2,328,813.81	5. कर्मचारी उपदान कोष	2,328,813.81	
2,329,800.00	6. आम लाभ कोष	3,212,857.00	
587,248.28	7. जोखिम कोष	587,248.28	
30,000.00	8. लाभांश कोष	30,000.00	
296,499.00	9. धर्मादा कोष	296,499.00	
4,480.00	10. संचालक प्रोत्साहन कोष	4,480.00	
1,304.25	11. वसूली उपहार कोष	1,304.25	
40,000.00	12. कर्मचारी मोटरसाईकल	40,000.00	
27,857,609.00	13. अंश विमोचन निधि	27,857,609.00	
14,000,000.00	14. संगणक कोष	14,000,000.00	
9,632,553.00	15. सहकारी विकास निधि	9,632,553.00	
5,550,336.00	16. प्रशिक्षण निधि	5,550,336.00	
8,787,079.00	17. एक्स ग्रेसिया / कर्मचारी लाभांश	8,787,079.00	
23,000,000.00	18. सीबीएस अनुसार संचित जमा राशि	23,000,000.00	
4,127,530.50	19. बचत बैंक निधि	4,228,409.50	
199,013,000.00	20. पुनर्मुल्यांकन निधि	199,013,000.00	
	21. अतिदेय ब्याज प्राप्त	-	
5,200,000.00	22. प्रोद्योगिकी अंगीकरण निधि	5,200,000.00	
1,072,018.00	23. सहकारी अनुसंधान एवं विकास निधि	1,072,018.00	
	24. अन्य प्रावधान		
	25. ऋण मुक्ति विलम्बित खाता प्रावधान		
	26. कैडर फण्ड प्रावधान		
	27. मानक अस्तियां हेतु प्रावधान		
	28. नान बैकिंग सम्पत्तियां हेतु प्रावधान		
	29. अन्तर शाखा समायोजन हेतु प्रावधान		
	30. अप्राप्त ब्याज हेतु प्रावधान		
	31. कोर बैकिंग सेवाऍं हेतु प्रावधान		
-	3. राज्य भागीदारी मूल सहायक कोष	-	-
7,904,163,968.21	4. अमानते एवं अन्य खाते	**7,725,639,993.30**	**7,725,639,993.30**
	''अ'' मुद्दति अमानते खाता		
58,385,889.00	1. रिजर्व फण्ड समिति अमानत	62,618,872.00	
30,034,165.00	2. विशेष डूबन्त निधि अमानत	32,211,642.00	
	3. रिवाल्विंग फण्ड अमानत		
10,511,158.00	4. कर्मचारी जमानत खाता	10,518,149.00	
3,072,081,431.89	5. मुद्दति अमानत खाता व्यक्तिगत	3,266,390,968.10	
183,989,980.73	6. मुद्दति अमानत संस्थाएं	188,511,569.73	
508,463,827.14	7. मुद्दति अमानत समितियां	480,637,813.74	

31.03.2022 (राशि रू.)	विवरण सम्पत्तियां लेनदारी	राशि रू.	31.03.2023 (राशि रू.)
200,935,000.00	''द'' म0प्र0 राज्य सहकारी बैंक मर्या0 भोपाल	230,635,000.00	
100,000.00	''प'' भारतीय कृषक सह0 समिति नई दिल्ली	100,000.00	
475,000.00	''फ'' कृषक भारतीय सह0 समिति	475,000.00	
-	''भ'' कोर बैकिंग सिर्क्योटी राशि	-	
-	''म'' एम.पी.ई.व्ही. सिर्क्योटी	-	
9,094,908,785.74	**6. ऋण अग्रिम (शेष)**	**9,778,287,760.99**	**9,778,287,760.99**
8,874,507,525.55	''अ'' अल्पकालीन नगद साख एवं अधिविकर्ष	9,552,027,967.74	
-	इसमें से जो प्रतिभूतियां है	-	
-	इसमें से व्यक्तियों की ओर से रूपये	-	
-	शासकीय तथा अन्य प्रतिभूतियों से रूपये	-	
-	इसमें से संदिग्ध रूपये इसमें से डूबन्त रूपये	-	
150,834,482.54	''ब'' मध्यकालीन ऋण	157,196,390.07	
69,566,777.65	''अ'' दीर्घावधि ऋण	69,063,403.18	
	इसमें से जो प्रतिभूतियां है		
	इसमें से व्यक्तियों की ओर से रूपये		
	शासकीय तथा अन्य प्रतिभूतियों से रूपये		
	इसमें से संदिग्ध रूपये इसमें से डूबन्त रूपये		
11,112,576.67	**7. प्राप्ति योग्य ब्याज**	16,921,476.20	16,921,476.20
	इसमें से जो व्यक्तियों की ओर से रूपये		
	इसमें से कालातीत रूपये		
	इसमें से संदिग्ध रूपये		
	इसमें से डूबन्त रूपये इसमें से अवमानक		
	कालातीत कृषक ऋण राहत		
4,092,013.66	**8. विनियोगो पर प्राप्ति योग्य ब्याज**	3,303,041.66	3,303,041.66
273,521.00	**9. वसूली योग्य विल्स प्राप्ति अनुसार**	273,521.00	273,521.00
	10. शाखा समायोजन		-
204,988,519.15	**11. भूमि एवं भवन खाता**	205,630,703.97	
28,058,189.43	**12. फर्नीचर फिक्चर्स (डेड स्टाक सहित)**	28,724,902.03	
2,913,902.00	**13. जीप**	2,804,463.80	
-	**14. लीज ऑन लैण्ड**	-	
(26,259,627.14)	संचित अवक्षयण	(27,769,364.66)	209,390,705.14
819,465,594.69	**15. अन्य लेनदारियॉं**	**796,546,913.15**	**796,546,913.15**
-	1. आयकर प्राप्ति योग्य	-	
14,453.93	2. कर्मचारी अग्रिम खाता	14,453.93	
-	3. सण्ड्रीज डेबिटर्स	-	
-	4. पुस्तकालय	-	
9,807,284.10	5. कैडर फण्ड खाता	9,807,284.10	
2,432,318.94	6. स्कन्ध प्रपत्र एवं पंजिया	2,528,868.64	
-	7. नगदी कमी शिलक	-	
-	8. कैश इन ट्राजिट	-	
-	9. विविध ऋण खाता	-	
-	10. खादय निगम गेहूँ खरीद	-	

31.03.2022 (राशि रू.)	विवरण पूंजी एवं दायित्व	राशि रू.	31.03.2023 (राशि रू.)
	8. मुद्दति अमानत अन्य		
4,355,772.69	9. मुद्दति अमानत मैच्योर्ड बट नाट पेड	4,355,772.69	
31,561,656.00	10. आर्वतक अमानत व्यक्तिगत	31,270,135.00	
-	11. आर्वतक अमानत संस्थांऐ / अन्य		
	12. आर्वतक अमानत अन्य		
	13. काल डिपाजिट खाता		
	14. दोहरी अमानत व्यक्तिगत		
	15. दोहरी अमानत संस्थांऐ		
	16. दोहरी अमानत समितियां		
	17. दोहरी अमानत अन्य		
	18. अनक्लेम डिपाजिट खाता		
	''ब'' बचत खाता		
3,428,468,398.99	1. व्यक्तिगत खाता	3,118,070,625.69	
274,541,702.58	2. सहकारी अधिकोष	263,883,097.58	
162,573,539.13	3. अन्य संस्थाएं	161,576,280.81	
	''स'' चालू खाता		
31,196,497.58	1. व्यक्तिगत खाता	25,146,420.74	
20,724,882.20	2. सहकारी अधिकोष	25,637,682.79	
12,929,971.05	3. अन्य संस्थाएं	12,569,950.14	
74,345,096.23	4. सी.सी./ओ.डी. में जमा शेष	42,241,013.29	
93,328,357.01	**''द'' अन्य अमानत**	**90,711,930.14**	**90,711,930.14**
574,136.00	1. जी.एस.एल.आई. क्लेम जबलपुर	733,588.00	
1,943,374.00	2. ग्रेच्युटी जमा	2,024,140.00	
90,518,918.01	3. अन्य जमा	87,589,060.14	
291,929.00	4. सुरक्षा जमा और निविदा	365,142.00	
3,507,618,747.68	5. ऋण देय **(BORROWING)**	4,211,318,747.68	**4,211,318,747.68**
8,864,077.98	1. रिजर्व बैंक/शीर्ष बैंक	8,864,077.98	
3,494,900,000.00	**''अ'' अल्पकालीन नगद साख एवं अधिविकर्ष**	4,198,600,000.00	
	1. इससे जो प्रतिभूतियां है		
	2. ठोस प्रतिभूतियों से रूपये		
	3. अन्य प्रतिभूतियों से रूपये		
	1. अल्पकालीन सामान्य		
	2. अल्पकालीन आदिवासी		
	3. मध्यावधि कनवर्सन		
	4. कैश क्रेडिट गेहूँ खरीद		
	5. कैश क्रेडिट धान खरीद		
	6. मुद्दति अमानत तारण ऋण शीर्ष बैंक		
	7. मुद्दति अमानत तारण ऋण केनरा बैंक छिंदवाड़ा		
	8. मुद्दति अमानत तारण ऋण यूनियन बैंक छिंदवाड़ा		
-	**''ब'' मध्यकालीन**		
	इससे जो प्रतिभूतियां है		

31.03.2022 (राशि रू.)	विवरण सम्पत्तियां लेनदारी	राशि रू.	31.03.2023 (राशि रू.)
-	11. वेतन कृषक सहायक	-	
-	10. सर्विस टैक्स	-	
-	11. शीर्ष बैंक से प्रापणीय	-	
7,122,999.00	12. राज्य शासन से ऋण मुक्ति की लेय राशि	7,122,999.00	
-	13. इम्प्रेस्ट फार पोस्टेज	-	
-	14. अंशदान बचत बैंक	-	
9,518,453.19	15. एलपीजी–क्रेडिट	4,305,076.13	
-	16. एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम	-	
-	17. एलआईसी–कमीशन	-	
	18. टी.डी.एस. प्राप्ति योग्य		
-	19. बचत बैंक बीमा गारन्टी प्रापर्णीय	-	
-	20 आयकर अग्रिम भुगतान	-	
-	21. एन.ई.एफ.टी नेफ्ट	-	
-	22. एम.पी.ई.व्ही. सिक्योटी	-	
378,755.20	23. बैंक प्रयोजन अग्रिम	391,270.20	
163,557,814.72	24. अन्य परिसम्पत्तियां	178,473,920.07	
615,689,192.10	25. अन्य	558,017,213.31	
(92,781,414.00)	26. ए.टी.एम. क्लियरिंग सस्पेंस	(36,029,689.00)	
	27. ब्याज प्राप्त होना शेष (डीआर बैलेन्स)		
355,302.76	28. ब्याज देना शेष (डीआर बैलेन्स)	355,302.76	
9,672.96	29. धोखाधड़ी खाता	9,672.96	
1,111,037.96	30. प्रविष्टी होना शेष	1,951,706.96	
22,388,056.66	31. अपलेखन खाता	22,388,056.66	
2,956,406.08	32. यूआईडी जमा राशि	5,571,767.66	
2,676,756.24	33. विनियोगो पर देय प्रिमियम राशि	2,676,756.24	
830,840.58	34. माईग्रेशन अंतर की राशि	830,840.58	
8,897,131.61	35. आईजीएसटी आईटीसी	10,732,161.12	
3,681,950.78	36. सीजीएसटी आईटीसी	4,118,101.87	
3,680,200.79	37. एसजीएसटी आईटीसी	4,116,568.87	
57,138,381.10	38. क्लेम फॉर लोरो (CLAIM FOR LORO)	19,164,581.10	
14,197,571,877.52	**योग**		**15,205,363,333.35**

कृते जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित छिंदवाड़ा

हस्ता/–
नीरज जैन
प्रभारी लेखाकक्ष

हस्ता/–
ए.के.जैन
प्रबंधक लेखा/महाप्रबंधक

हस्ता/–
मनोज पुष्प
कलेक्टर एवं प्रशासक

स्थान : छिन्दवाड़ा
दिनांक: 07-08-2023

हमारे सम तिथि के अंकेक्षण प्रतिवेदन के अधीन।
कृते चांवला किशोर एंड क.
चार्टर्ड एकाउटेंट्स
एफ.आर.एन.008737.सी
हस्ता/–
(सी.ए.नवीन वाईकर)
भागीदार
सं.क्र. 410998
UDIN 23410998BGUFV4821

31.03.2022 (राशि रू.)	विवरण पूँजी एवं दायित्व	राशि रू.	31.03.2023 (राशि रू.)
	अन्य ठोस प्रतिभूतियों से रूपये		
	अन्य प्रतिभूतियों से रूपये		
	1. मध्यकालीन परिवर्तित सामान्य		
	2. मध्यकालीन परिवर्तित आदिवासी		
	''स'' राज्य शासन से		
	1. इससे से जो प्रतिभूतियां है		
	अन्य ठोस प्रतिभूतियों से रूपये		
	अनुमोदित प्रतिभूतियों से रूपये		
	2. लम्बी अवधि का ऋण		
	इसस जो प्रतिभूतियां है		
	अन्य ठोस प्रतिभूतियों से रूपये		
	'शासकीय तथा अन्य अनुमोदित		
	प्रतिभूतियों से रूपये		
	3. पैक्स मल्टी सर्विस सेन्टर		
	4. दीर्घकालीन आवास ऋण		
	5. गोदाम ऋण शीर्ष बैंक		
-	5. अन्य स्त्रोतो से ऋण		
1,563,586.00	7. आई.सी.डी.पी. छिंदवाड़ा	1,563,586.00	
2,291,083.70	8. म.प्र. राज्य सहकारी बैंक मर्या. भोपाल	2,291,083.70	
	9. म.प्र. राज्य सहकारी बैंक मर्या. जबलपुर		
	10. म.प्र. राज्य सहकारी बैंक मर्या. भोपाल (एम.ए.एस.)		
	''द'' मध्यकालीन ऋण शासन		
	1. मध्यकालीन शासन		
	2. पहुंचविहीन सहायता शासन से		
	3. कोल माइन्स कमिशनर से		
273,721.00	6. वसूली योग्य बिल प्राप्ति अनुसार	273,721.00	273,721.00
3,575,470.52	7. शाखा समायोजन	12,752,023.33	12,752,023.33
40,000.00	8. अतिदेय ब्याज रिजर्व	40,000.00	40,000.00
372,527,614.07	9. ब्याज देय खाता	359,827,330.75	359,827,330.75
1,227,622,059.98	10. अन्य देनदारियां	**1,618,504,227.69**	1,618,504,227.69
	1. विल्स पेयेबुल खाता		
47,128,857.23	2. सभी प्रकार (अस्थाई खाता + अन्य जमा)	21,619,459.40	
	3. म0प्र0 राज्य सह0 विप0 संघ		
22,178.00	4. अंश आवेदन	22,178.00	
	5. आगमित बिल संकलित खाता		
	6. अवितरित ऋण अनुदान		
(4,000.00)	7. अर्नेस्ट मनी	(4,000.00)	
640,481.00	8. एल.आई.सी.–क्रेडिट (PMJJBY)	729,607.00	
629,473.48	9. कर्मचारी भविष्य निधि	848,768.48	

हानि–लाभ पत्रक 2022–2023

31.03.2022 (राशि रू.)	विवरण हानि	राशि रू.	31.03.2023 (राशि रू.)
666,474,935.67	**1. ब्याज दिया**		**701,960,219.74**
433,002,671.67	''अ'' ब्याज दिया अमानतो पर	423,249,494.74	
226,536,631.00	''ब'' ब्याज दिया ऋणो पर	270,490,308.00	
6,935,633.00	''स'' निधि पर ब्याज	8,220,417.00	
105,483,599.78	**2. स्थापना व्यय**	111,842,802.69	**111,842,802.69**
64,090,803.02	1. वेतन उपवेतन	70,111,291.06	
6,185,260.00	2. भविष्य निधि योगदान	6,845,997.00	
100,000.00	3. कर्मचारी ग्रेच्युटी प्रीमियम भुगतान	775,244.00	
38,456.00	4. कर्मचारी यात्रा भत्ता	52,622.95	
235,798.20	5. डाकतार टेलीफोन व्यय	244,104.99	
2,705,830.64	6. प्रिंटिग एवं स्टेशनरी व्यय	1,273,384.99	
556,630.00	7. विधि सलाहकार व्यय	596,254.00	
12,619,523.80	8. किराया कर बीमा प्रकाश व्यय	16,375,232.00	
1,382,770.00	9. अंकेक्षण शुल्क	816,650.00	
	10. अन्य व्यय		
508,530.01	''अ'' प्रचार प्रसार एवं विज्ञापन	595,835.60	
657,908.61	''ब'' जीप डीजल मरम्मत व्यय	886,722.69	
9,171,902.46	''स'' विविध व्यय खाता	6,291,723.87	
-	''द'' वर्दी व्यय	-	
-	''इ'' संघ चन्दा व्यय	-	
-	''फ'' डेड स्टाक मरम्मत	-	
207,093.82	''ग'' जीप किराया	289,621.23	
471,404.73	''ह''. भवन मरम्मत व्यय	-293,741.84	
6,551,688.49	''ह''. कोर बैकिंग सॉफटवेयर फीस	6,981,860.15	
2,025,224.21	**3. अवक्षयण**	2,181,214.51	**2,181,214.51**
-	1. डेड स्टाक पर	-	
275,133.08	2. वाहन पर	480,490.08	
114,500.70	3. भवन पर	161,931.70	
1,635,590.43	4. फर्निचर पर	1,538,792.73	
-	5. जमीन लीज	-	
-	4. कैडर फण्ड अंशदान	-	-
-	5. प्रायर पीरियड आयटम व्यय	-	-
295,500,000.00	6.दुर्बल अस्तियो हेतु प्रावधान	430,086,238.96	**430,086,238.96**
	7. कोर बैकिंग सेवाऐं हेतु प्रावधान		-
	8. वेतन देय हेतु प्रावधान		-
-	9- पूर्व वर्ष आयकर समययोजन	-	-
	10. एफ.बी.टी. टैक्स		-
	11. ग्रेच्युटी प्रावधान		-
-14,485,614.37	12. अन्य आस्तियों हेतु प्रावधान	26,975.00	**26,975.00**
-	13. मानक आस्तियों हेतु प्रावधान		-

31.03.2022 (राशि रू.)	विवरण पूँजी एवं दायित्व	राशि रू.	31.03.2023 (राशि रू.)
	10. प्रत्याभूति बन्ध पत्र		
	11. ग्रुप इन्श्योरेश खाता		
40,135.00	12. जीवन बीमा	40,541.00	
-	13. एनआईए–केडिट	-	
	14. सूखाग्रस्त क्षेत्रों को खाद्यान्न वित0अग्रिम		
-	15. डी0डी0 पेयेबुल खाता	-	
	16. आई.सी.डी.पी. छिंदवाड़ा से अनुदान प्राप्त		
	17. लिंक समितियों को शासन से क्षतिपूर्ति सहायता		
969,524.20	18. सर्विस टैक्स	719,984.62	
3,381,997.12	19. टी.डी.एस.	7,718,174.00	
2,585,937.00	20 देय खर्चो के लिए प्रावधान	2,585,937.00	
	21. सेल कलेक्शन बीज		
-	22. ओ.डी. नेफ्ट		
	23. म0प्र0 राज्य कृषि विप0 बोर्ड		
	24. पूल फण्ड		
	25. काम के बदले अनाज योजना		
	26. सूखा प्रभावित कृषको को अनुदान		
	27. धान खरीदी सकंलन		
	28. कृषि प्रोत्साहन		
	29. मध्यान्ह भोजन चावल कमीशन		
	30. ऋण माफी/राहत राशि		
	31. कैश केडिट/अल्पावधि केडिट बैलेन्स		
	32. बचत बैंक बीमा गारन्टी योजना		
	33. टी.डी.एस. प्राप्ति योग्य		
-	34. प्रोफेश्नल टैक्स		
75,664.00	35. परिवार कल्याण कोष	101,542.00	
716,630.00	36. मार्जिन मनी	716,630.00	
12,256.73	37. सी.जी.एस.टी देय (आर.सी.एम)	66,886.73	
-	38. आई.जी.एस.टी. देय		
12,256.73	39. एस.जी.एस.टी देय (आर.सी.एम)	66,886.73	
	40. अतिशेष ब्याज		
	41. ब्याज देय		
2,168.49	42. इफको फर्टिलाईजर	2,168.49	
	43. आई.डी.बी.आई. से उधार ग्रहण		
36,390,085.24	44. एटीएम पीओएस समाशोधन	6,662,031.80	
3,430,670.26	45. प्रविष्टि होना शेष	1,747,157.55	
1,100,533,558.85	46. अनुप्रयोज्य आस्तियों एवं अन्य अस्तियो के प्रावधान	1,530,619,797.81	
24,779,813.00	47. प्रयोज्य आस्तियों हेतु प्रावधान	24,779,813.00	
1,806,064.15	48. दुर्बल अस्तियो एवं अन्य अस्तियो के प्रावधान	5,186,899.15	
3,353,860.00	49. आयकर प्राबधान	12,835,100.00	
-	50. लाभ पार्किंग खाता (पिछला वर्ष)	-	

31.03.2022 (राशि रू.)	विवरण हानि	राशि रू.	31.03.2023 (राशि रू.)
-	14. संदिग्ध डूबन्त हेतु प्रावधान		-
	15. अप्राप्त ब्याज हेतु प्रावधान		-
3,353,860.00	16. आयकर प्राबधान	12,835,100.00	**12,835,100.00**
-	17. अंकेक्षण शुल्क हेतु प्रावधान		-
-	18. कृषि समामेलप हेतु प्रावधान		
-	19. सोसायटी फण्ड हेतु प्रावधान		
-	20. वाहन विक्रय पर हुई हानि		
3,396,372.96	21. लाभ खाता	31,444,840.07	**31,444,840.07**
1,061,748,378.25	**योग**		**1,290,377,390.97**

हानि–लाभ पत्रक 2022–2023

31.03.2022 (राशि रू.)	क0 विवरण लाभ	राशि (रू)	31.03.2023 (राशि रू.)
1,043,159,023.58	1. ब्याज प्राप्त खाता		1,271,081,073.28
880,876,071.90	"अ" ब्याज प्राप्त ऋणों पर	1,073,196,734.92	
162,282,951.68	"ब" ब्याज प्राप्त विनियोगों पर	197,884,338.36	
3,321,719.18	2. लाभांश प्राप्त अंशो पर	1,025,844.00	1,025,844.00
3,884,346.79	3. कमीशन एवं विनियम दलाली	4,585,412.03	4,585,412.03
-	4. जीप खाता	-	-
58,700.00	5. लाकर्स किराया	55,008.00	55,008.00
3,729,813.00	6. अन्य आय	6,629,168.71	6,629,168.71
7,594,775.70	7. प्रवेश, प्रशा.,मूल्यां,नेफट, क्लोजर चार्ज	7,000,884.95	7,000,884.95
-	8. प्रायर पीरियड आयटम	-	-
1,061,748,378.25	योग		**1,290,377,390.97**

कृते जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित छिंदवाड़ा

हस्ता/–	हस्ता/–	हस्ता/–
नीरज जैन	ए.के.जैन	मनोज पुष्प
प्रभारी लेखाकक्ष	प्रबंधक लेखा/महाप्रबंधक	कलेक्टर एवं प्रशासक

स्थान : छिन्दवाड़ा
दिनांक: 07-08-2023

हमारे सम तिथि के अंकेक्षण प्रतिवेदन के अधीन।
कृते चांवला किशोर एंड क.
चार्टर्ड एकाउटेट्स
एफ.आर.एन.008737.सी
हस्ता/–
(सी.ए.नवीन वाईकर)
भागीदार
सं.क्र. 410998
UDIN 23410998BGUFV4821

31.03.2022 (राशि रू.)	विवरण पूंजी एवं दायित्व		राशि रू.	31.03.2023 (राशि रू.)
538,858.52	51. सी.जी.एस.टी देय		666,907.99	
538,858.52	52. एस.जी.एस.टी देय		666,907.99	
36,732.46	53. आई.जी.एस.टी देय		104,848.95	
90,032,554.67	11. संचित लाभ खाता		134,855,236.08	134,855,236.08
		90,032,554.67		
		31,444,840		
	12. विनियोजन			
		-13,377,841.34		
14,197,571,877.52				**15,205,363,333.35**

कृते जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित छिंदवाड़ा

हस्ता/–
नीरज जैन
प्रभारी लेखाकक्ष

हस्ता/–
ए.के.जैन
प्रबंधक लेखा/महाप्रबंधक

हस्ता/–
मनोज पुष्प
कलेक्टर एवं प्रशासक

हमारे सम तिथि के अंकेक्षण प्रतिवेदन के अधीन।
कृते चांवला किशोर एंड क.
चार्टर्ड एकाउटेट्स
एफ.आर.एन.008737.सी
हस्ता/–
(सी.ए.नवीन वाईकर)
भागीदार
सं.क्र. 410998
UDIN 23410998BGUFV4821

स्थान : छिन्दवाड़ा
दिनांक: 07-08-2023

CHAWLA KISHORE & CO.
Chartered accountants
CA
Head office: S-3, Sanchi Complex, Opp. Board Offic Shivaji Nagar, Bhopal. 462042
Mob: 9926905526, 9826014952
E-mail: Chawla_kishore@rediffmail.com

आई आर ए सी अनुपालन – अंकेक्षण प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, छिंदवाडा ने वर्ष 2022–23 में आर. बी. आई./नाबार्ड द्वारा लागू आई आर ए सी नियमों का अनुपालन किया हैं।

उपरोक्त प्रमाणन हमें प्रदत्त सूचनाए एवं स्पष्टीकरण एवं संबंधित संलग्नक/परिशिष्ट के आधार पर जारी किया गया हैं एवं उक्त प्रमाणन हमारे अंकेक्षण टिप्पणियां एवं आक्षेपो के आधीन हैं। जिनका उल्लेख स्वतंत्र लेखा परीक्षा, लॉन्ग फार्म आडिट रिपोर्ट (एल एफ ए आर) संपरीक्षा प्रतिवेदन एवं अंकेक्षित वित्तीय विवरणों में किया गया हैं।

स्थान: भोपाल
दिनाँक: 07-08-2023

'कृते चावला किशोर एंड क.
सनदी लेखाकार
एफ0 .एन.आर.08737C

सी .ए.नवीन वाईकर
UDIN: 23410998BGUFV4821
भागीदार
स .क्र4-.10998

Head Office S- 3 Sanchi Complex Opp. Board Office Bhopal-462016
Ph: 0755-4005525 Mob. No.9926905526, 9826014952
E-mail - chawla_kishore@rediffmail.com

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल एवं सहकारी प्रशिक्षण केन्द्रों में स्वतंत्रता दिवस पर शान से लहराया राष्ट्रीय ध्वज

भोपाल। आज़ादी के 77 वे स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल एवं सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, इंदौर, जबलपुर, नौगांव जिला छतरपुर में ध्वजारोहण किया गया।

मध्याप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल के प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उन्होने संबोधित करते हुए कहा कि, "सहकारिता से समृद्धि" जन - जन की भागीदारी से ही संभव है इसलिए इस पावन पर्व पर सभी सहकारी कर्मचारियों से आव्हान किया कि वें सहकारिता की भावना से कार्य निर्वहन करते हुए समाज में सारे वर्गों एवं क्षेत्रों में सहकारिता सिद्धांत पर कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करे व अधिक से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों आयोजित करें एवं संघ की उपलब्धियों पर चर्चा की। ध्वजारोहण के अवसर पर सहकारी संघ मुख्यालय के प्राचार्य श्री गणेश प्रसाद मांझी, श्रीमति रेखा पिप्पल, लेखाधिकारी, श्री ए.के.जोशी, भूतपूर्व प्राचार्य, श्रीमति मीनाक्षी बान कम्प्यूटर प्रशिक्षक, श्री संतोष येडे राज्य समन्वयक एवं अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

सहकारी प्रशिक्षण केंद्र इंदौर मे प्राचार्य श्री दिलीप मरमट एवं सहकारी प्रशिक्षण केंद्र जबलपुर मे श्री व्ही. के. बर्वे, द्वारा ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण पर प्रशिक्षण केंद्र के सभी अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

वृहत हस्तशिल्प विकास योजना (सीएचसीडीएस) अंतर्गत 22 करोड़ स्वीकृत

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्या0 भोपाल के प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन ने बताया की सहकार से समृद्धि की दिशा में राज्य सहकारी संघ के द्वारा एक और पहल की गई है जिसमें वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के प्रयोजन तथा मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के आयोजन में शिल्प कारीगरों हेतु वृहत हस्त शिल्प विकास योजना (सीएचसीडीएस) की स्वीकृति प्राप्त हुई है। मध्यप्रदेश मे वृहत हस्तशिल्प विकास योजना (सीएचसीडीएस) के माध्यम से 12 जिलों में (बालाघाट, सीहोर, नर्मदापुरम, मण्डला, धार, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, गुना, छतरपुर) कुल 20,000 हजार शिल्पियों हेतु बेसलाईन सर्वे, गुरू शिष्य हस्तशिल्प प्रशिक्षण, डिजाईन एवं तकनीकी विकास कार्यशाला, एक दिवसीय सेमीनार, उद्यमिता विकास कार्यक्रम, व्यापक अध्ययन, एफपीओ, प्रदर्शनियों का आयोजन, टूल किट वितरण, ब्रांड प्रमोशन का कार्य किया जायेगा। हस्त,शिल्पि कारीगरों हेतु भोपाल, इंदौर, नौगांव में सामान्य सुविधा केन्द्र एवं इंदौर में एम्पोरिया बनाया जावेगा। म.प्र. के चिन्हित जिलों के भौगोलिक आधार पर शिल्प/क्राफट जैसे बांस, कढाई, वुड कार्विंग, टेराकोटा, गोंड चित्रकारी/ट्राइबल पेंटिंग, बाघ की ब्लाक प्रिंटिंग, जूट, जर-जरदोजी, बुन्धनी, बटिक प्रिंटिंग, स्टोन कार्विंग इत्यांदि पर हस्तशिल्पियों को प्रशिक्षित कर मार्केट की व्यवस्था कराई जाएगी। उक्त परियोजना हेतु राशि रु. 22,76,26,180.00 स्वीकृत किया गया है। यह परियोजना निर्धारित दो वर्षो मे पूर्ण किया जाना है।

श्री संजय कुमार सिंह, महाप्रबंधक राज्य सहकारी संघ ने बताया कि, इस परियोजना के तहत बेसलाइन सर्वे एवं प्रशिक्षण/कार्यशाला का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है जिसमे जिला भोपाल मे दिनांक 12/08/23 से 11/10/23 तक (50 दिवसीय) गुरू-शिष्य हस्तशिल्प कार्यक्रम के अंतर्गत 30 प्रतिभागियों को कढाई पर श्रीमति शीबा द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। दिनांक 14/08/23 से 12/09/23 तक (25 दिवसीय) डिजाइन एवं तकनीकी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 30 प्रतिभागियों को जूट क्राफ्ट पर श्री अभिमन्यु टकियार (डिजाइनर) एवं श्रीमति नीतू यादव मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिला इंदौर में दिनांक 17/08/23 से 16/10/23 (50 दिवसीय) गुरू-शिष्य हस्तशिल्प कार्यक्रम के अंतर्गत 30 प्रतिभागियों को मो. नासिर छीपा (नेशनल अवार्ड प्राप्तस) मास्टर ट्रेनस के रूप मे प्रशिक्षण प्रदाय किया जा रहा है।

श्री संतोष येडे राज्य समन्वयक राज्य सहकारी संघ भोपाल द्वारा बताया गया कि, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग ले रहें प्रतिभागियों की उपस्थिति बायोमेट्रिक मशीन के द्वारा ली जा रही हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रति दिवस 5 घंटे आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम मे प्रति प्रतिभागी राशि रू. 300/- के मान से शिष्यवृत्ति प्रदान की जाएगी। प्रशिक्षणार्थी को जूट एवं कढाई से सम्बन्धित रॉ मटेरियल व आवश्यक उपकरण, टूल्स संघ के माध्यम से प्रदाय किया जा रहा है। जिला भोपाल हेतु क्लस्टर समन्वयक श्रीमति मीनाक्षी बान, श्रीमति श्रद्धा श्रीवास्तव एवं जिला इंदौर हेतु क्लस्टर समन्वयक श्री दिलीप मरमठ प्राचार्य सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर को नियुक्त किया गया है।

प्राथमिक कृषि साख़ सहकारी संस्था, सिंहासा में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

इंदौर। सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, इंदौर द्वारा दिनाँक 03/08/2023 को प्राथमिक कृषि साख़ सहकारी संस्था, सिंहासा, नावदापंथ, (ज़िला - इंदौर) में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सरपंच (ग्राम-सिंहासा), शाखा प्रबंधक, पूर्व अध्यक्ष, पूर्व उपाध्यक्ष, पर्यवेक्षक, सम्माननीय सदस्य एवं किसान उपस्थित रहे। प्रशिक्षक श्री सुयश शर्मा द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया एवं सहकारिता की पृष्ठभूमि के बारे में बताया गया, श्री राहुल श्रीवास द्वारा सहकारिता सिद्धान्त एवं मूल्य की जानकारी दी गई एवं श्री प्रदीप कुमार रैकवार द्वारा सदस्य के अधिकारों एवं कर्तव्यों की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में संस्था के प्रबंधक श्री सुरेन्द्र सिसोदिया द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का संगठन)

NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL EXTENSION MANAGEMENT

(An Organization of Ministry of Agriculture and Farmers Welfare Govt. of India)

Nodal Training Institute (NTI)

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्या. भोपाल

(M.P. State Cooperative Union Ltd. Bhopal)
E-8/77 Trilanga Road, Shahpura Bhopal -462039

Diploma in Agricultural Extension Services for Input Dealers (DAESI)

डिप्लोमा इन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (देसी)

"इनपुट डीलरों के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा" (देसी)

शीघ्र आयें प्रवेश पायें

उद्देश्य : इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रैक्टिसिंग एग्रीकल्चरल इनपुट्स डीलर्स को पैरा–एक्सटेंशन प्रोफेशनल्स में बदलना है। जिससे एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन सिस्टम को मजबूत किया जा सके। इससे इनपुट डीलर्स को किसानों को बेहतर सेवा करने में मदद मिलेगी जिससे :–

- इनपुट के कुशल संचालन में इनपुट डीलरों की क्षमता का निर्माण।
- कृषि आदानों के विनियमन को नियंत्रित करने वाले कानूनों के बारे में ज्ञान प्रदान करना।
- किसानों के लिए इनपुट डीलरों को ग्रामीण स्तर पर कृषि संबंधी जानकारी का एक प्रभावी स्त्रोत (वन स्टॉप शॉप) बनाना।

एग्रीकल्चर में डिप्लोमा कोर्स क्यों करें?

- एग्रीकल्चरल डिप्लोमा एग्रीकल्चर या जैविक प्रक्रिया से संबंधित है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य तकनीकी स्तर पर मानव संसाधन का विकास कर एग्रीकल्चर उद्योग की प्रगति करना है।
- इस कोर्स में किसी भी एग्रीकल्चर उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों के कौशल को बढ़ाया जाता है।
- एग्रीकल्चर में डिप्लोमा कोर्स के साथ छात्र 10वीं के बाद से ही अपने प्रारंभिक करियर की शुरुआत कर सकते हैं।
- इस कोर्स के जरिए एग्रीकल्चर उद्योग में आवश्यक कौशल सीखने से अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पादों का उत्पादन करने में मदद मिलेगी क्योंकि गुणवत्ता वाले उत्पादों की मांग अधिक है।
- कृषि डिप्लोमा कोर्स छात्रों के सामने करियर के विभिन्न अवसर खोलता है। बड़ी–बड़ी नामी कम्पनियां जैसे–ITC, Britannia, Godrej आदि डिप्लोमा छात्रों को इंटर्नशिप भी ऑफर करती हैं।
- ग्रामीण रोजगारोन्मुखी व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिये ग्रामीण स्तर पर बीज, खाद, कीटनाशक या दवाई की दुकान के लाइसेंस की आवश्यकता होती है। वर्तमान में लाइसेंस लेने के लिए युवक–युवतियों को परेशानी न हो इसके लिए राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल, आत्मा एवं म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्या. भोपाल के सहयोग से देसी कोर्स की शुरुआत की गयी है।

इन विषयों पर मिलेगा प्रशिक्षण :–

सैद्धांतिक प्रशिक्षण के अंतर्गत:–

क्र विषय

1. मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन।
2. वर्षा आधारित खेती।
3. बीज एवं बीज उत्पादन।
4. सिंचाई तकनीक एवं उनका प्रबंधन।
5. खरपतवार प्रबंधन।
6. कृषि उपकरण और मशीनरी की जानकारी।
7. कृषि में कीट एवं रोग नियंत्रण।
8. प्रमुख स्थानीय फसलों की फसल उत्पादन तकनीक।
9. कृषि आदानों से संबंधित अधिनियम, नियम एवं विनियम।
10. कृषि क्षेत्र से संबंधित शासन की विभिन्न योजनाएं एवं कृषि प्रसार तकनीक।
11. विस्तार दृष्टिकोण और तरीके।
12. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना।
13. फसल बीमा योजना।
14. बीज, कीट व मण्डी अधिनियम।
15. उर्वरक अधिनियम।

व्यावहारिक प्रशिक्षण के अंतर्गत:– व्यावहारिक प्रशिक्षण वर्ग के अंतर्गत कृषि से संबंधित संस्थान जैसे – कृषि विज्ञान केन्द्र, मृदा जांच प्रयोगशाला, कृषि महाविद्यालय / कृषि विश्वविद्यालय, उद्यानकीय महाविद्यालय, क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान एवं प्रगतिशील किसानों के प्रक्षेत्र पर प्रशिक्षणार्थियों को एक्सपोजर विजिट कराया जावेगा।

अवधि – 01 वर्ष

यह कार्यक्रम 48 सप्ताह की अवधि का है जिसमें 40 कक्षा सत्र एवं 08 फील्ड विजिट है।

यह कोर्स सप्ताह में एक दिन (सरकारी अवकाश के दिन) आयोजित किया जाता है।

पाठ्यक्रम शुल्क–

राशि रू. 20,000/– का डिमांड ड्राफ्ट (Project Director ATMA) के नाम पर देय होगा।

शैक्षणिक योग्यता– 10 वीं उत्तीर्ण से लेकर डिग्रीधारक तक।

कुल सीट – 40

आवश्यक दस्तावेज

- 10 वी उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र
- 12वी उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र
- स्नातक उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र
- स्नातकोत्तर उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र
- जाति प्रमाण पत्र
- मूल निवासी प्रमाण पत्र
- आधार कार्ड
- दो पासपोर्ट साईज फोटो
- वैध लाईसेंस की प्रति (यदि आप कृषि इनपुट डीलर के रूप में काम कर रहे हैं)

कार्यक्रम की अधिक जानकारी के लिए संपर्क सूत्र–

07554034839, 9826821281, 9826876158, 8770995805
Website- www.mpscu.in, www.mpscuonline.in
Email : rajyasangh@yahoo.co.in

सायबर क्राइम जागरूकता अभियान के तहत राज्य सहकारी संघ द्वारा दिया आयोजित किया जा रहा सतत प्रशिक्षण

इंदौर। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्या0 भोपाल द्वारा संचालित प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर के कम्प्यूटर प्रशिक्षक श्री शिरीष पुरोहित द्वारा इंदौर सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित इंदौर मे दिनांक 24 अगस्त, 2023 एवं उपायुक्त सहकारिता कार्यालय जिला खंडवा में दिनांक 23/08/2023 को सायबर सुरक्षा पर प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें प्रभारी उपायुक्त श्री आर एस कलेश तथा अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। जागरूकता कार्यक्रम के तहत सायबर क्राइम के बढ़ते दुष्प्रभाव पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें दुग्ध संघ के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को सायबर क्राईम क्या होता है, सायबर अपराध के प्रकार, सायबर अपराध का मुख्य कारण क्या है, साईबर क्राईम से बचने के उपाय, साईबर क्राइम रिपोर्ट कैसे करें, इत्यादि विषयों पर जानकारी प्रदान की।

म.प्र.राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा संचालित

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल से सम्बद्ध

शीघ्र आयें प्रवेश पायें

PGDCA	DCA
(योग्यता - स्नातक उत्तीर्ण) कुल फीस 9100/-	(योग्यता -10 +2 उत्तीर्ण) कुल फीस 8100/-

संपर्क :-
सहकारी कम्प्यूटर एवं प्रबंध प्रशिक्षण केंद्र
ई- 8/77 शाहपुरा ,त्रिलंगा ,भोपाल
फोन : 0755-2926160 , 2926159
मो. 8770988938 , 9826876158 Website-www.mpscu.in
Web Portal-www.mpscuonline.in
Email-rajyasanghbpl@yahoo.co.in

सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र
किला मैदान इंदौर, म.प्र. पिन – 452006
फोन- 0731-2410908 मो. 9926451862, 9755343053
Email - ctcindore@rediffmail.com

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक गणेश प्रसाद मांझी द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सहकारी मुद्रणालय परिमित, भोपाल से मुद्रित एवं ई-8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : गणेश प्रसाद मांझी
डॉक पंजीयन क्रमांक : म.प्र./भोपाल/357/2021-23 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2926159, 2926160, इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।